University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष
100 Years 1920-2020

University in News on 03 June 2021

HINDUSTAN PAGE 6

### चार वर्षीय बीएलएड प्रोग्राम को अब आठ सेमेस्टर में बांटा जा रहा है, छात्रों को मिलेगा इसका लाभ

# एलयू: बीएलएड की पढ़ाई अब सेमेस्टर से

**बदलाव**

लखनऊ | संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय पिछले डेढ़ वर्ष से अपने विभिन्न पाठ्यक्रम में छात्र-हित को ध्यान में रखते हुए एवं नई शिक्षा नीति के दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए परिवर्तन ला रहा है। 2021 और 2022 के शिक्षण-सत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय एक अति महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम में बदलाव कर रहा है।

कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के निर्देशानुसार शिक्षा शास्त्र विभाग में चल रहे चार वर्षीय बीएलएड प्रोग्राम को अब आठ सेमेस्टर में परिवर्तित किया जा रहा है।

बीएलएड प्रोग्राम देश भर से आए हुए उन छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम है जो एलिमेंट्री एजुकेशन यानी कक्षा आठवीं तक की शिक्षा में अपना योगदान शिक्षक के रूप में देना चाहते हैं। यह प्रोग्राम विश्वविद्यालय के सबसे सफल पाठ्यक्रमों में से एक है। शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अध्यापक प्रोफेसर दिनेश कुमार ने बताया कि नई शिक्षा नीति के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए और प्रदेश के एलिमेंट्री एजुकेशन में नए शिक्षकों को आधुनिकतम प्रोफेशनल स्किल्स और टीचिंग स्किल्स से समृद्ध करने के लिए पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण बदलाव किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष की जगह समेस्टर में विभाजित होने से पाठ्यक्रम में पढ़ रहे छात्र नई स्किल्स पर ज्यादा ध्यान दे पाएंगे, उन्हें इंटर्नशिप के जरिए असल जिंदगी में इस्तेमाल कर पाएंगे एवं अपने आप को एक वैश्विक पाठ्यक्रम में पढ़कर न केवल प्रदेश के एलिमेंट्री विद्यालयों के लिए बल्कि देशभर के लिए तैयार कर पाएंगे। विश्वविद्यालय की सीबीसीएस पाठ्यक्रम के अनुसार नए बीएलएड के पाठ्यक्रम में विभागीय, अंतर विभागीय, कोर और वैल्यू एडेड कोर्स भी शामिल होंगे जिससे बीएलएड के छात्रों को एक वैश्विक पटल के लिए तैयार किया जा सकेगा।

## लखनऊ विश्वविद्यालय को एक और सम्मान

**63** भारतीय विश्वविद्यालय और संस्थान टाइम्स रैंकिंग में | **4** शीर्ष विश्वविद्यालयों में शहर से लखनऊ यूनिवर्सिटी का नाम

एलयू ने एक और सम्मान प्राप्त किया। बुधवार को एशिया के विश्वविद्यालयों की रैंकिंग को दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग द्वारा जारी किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय को पूरे एशिया में शीर्ष 401 विश्वविद्यालयों में स्थान दिया गया है। इस रैंकिंग में भारत के कुल 63 विश्वविद्यालयों और संस्थानों को जगह मिली है। रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश के एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय होने के कारण अपनी स्थिति को और मजबूत किया है।

## योग दिवस पर होंगे विभिन्न आयोजन

**21 जून 2021** तक होंगे ऑनलाइन कार्यक्रम

लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड ऑल्टरनेटिव मेडिसिन की ओर से योग सबन्धित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। 21 जून, 2021 तक विश्वविद्यालय में ऑनलाइन कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

इंचार्ज प्रोफेसर नवीन खरे ने बताया कि योग समस्त विश्व में इस कोरोना महामारी के दौर में अपनाया जा रहा है क्योंकि योग के अभ्यास से शरीर के अंगों की कार्यक्षमता बढ़ रही है साथ ही साथ शरीर का शोधन भी हो रहा है जिसके कारण योग के अभ्यास से लोगों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो रहा है। इस दृष्टिकोण को सामने रखते हुए फैकल्टी के माध्यम से लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। फैकल्टी के कोऑर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि प्रतिदिन सुबह सात से आठ बजे तक कॉमन योग प्रोटोकॉल का फैकल्टी के फेसबुक पेज पर सजीव प्रसारण हो रहा है। इसके अतिरिक्त छह वेबिनार का आयोजन होगा जिसमें योग एवं स्वास्थ्य, योग एवं प्रतिरोधक क्षमता योग एवं कोरोना प्रोटोकॉल, मानसिक स्वास्थ्य, मधुमेह एव उच्च रक्तचाप प्रमुख हैं।

इसके अलावा आसन, प्राणायाम, षट्कर्म, मुद्रा एवं ध्यान पर कार्यशालाओं का आयोजन होगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग दर्शन, योग विज्ञान, योग चिकित्सा, योग से व्यक्तित्व विकास, विषय पर विशिष्ट विशेषज्ञों के व्याख्यान भी आयोजित किये गए हैं। समस्त कार्यक्रम वर्चुअल मोड पर आयोजित होंगे और इस अवसर पर अधिक से अधिक लोगों को इन कार्यक्रमों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

NBT PAGE 4

# शिक्षा शास्त्र की पढ़ाई सेमेस्टर में करवाएगा लविवि

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग में चल रहा चार वर्षीय बीएलएड पाठ्यकम अब आठ सेमेस्टर में पढ़ाया जाएगा। नई शिक्षा नीति के तहत लविवि प्रशासन ने बुधवार को इसे अमली जामा पहनाया है। शिक्षण-सत्र में 2021 और 2022 के लिए लविवि कुलपति प्रो. एके राय ने बुधवार को इसका ऐलान किया।

नए सत्र से चार वर्षीय बीएलएड पाठ्यक्रम अब आठ सेमेस्टर में पढ़ाया जाएगा

वरिष्ठ प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि नई शिक्षा नीति के दिशा-निर्देशों के तहत एलिमेंट्री एजुकेशन में नए शिक्षकों को आधुनिकतम प्रफेशनल स्किल्स और टीचिंग स्किल्स से समृद्ध करने के लिए पाठ्यक्रम में कुछ अहम बदलाव लाए जा रहे हैं। वर्ष की जगह समेस्टर में विभाजित होने से छात्र नए स्किल्स पर ज्यादा ध्यान दे पाएंगे। उन्हें इंटर्नशिप आदि से अपने आप को एक वैश्विक पाठ्यक्रम में पढ़कर, न सिर्फ यूपी के एलिमेंट्री विद्यालयों के लिए बल्कि देशभर के लिए अपने आपको तैयार कर पाएंगे।

उन्होंने बताया कि लविवि के सीवीसीएस पाठ्यक्रम के अनुसार भी नए बीएलएड के पाठ्यक्रम में विभागीय, अंतर विभागीय, कोर और वैल्यू ऐडेड पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे, जिससे बीएलएड के विद्यार्थियों को एक वैश्विक पटल के लिए तैयार किया जा सकेगा

JAGRAN CITY PAGE I

# बी.एल.एड में लागू होगी सेमेस्टर प्रणाली

### लविवि : चार वर्षीय इस पाठ्यक्रम में होंगे आठ सेमेस्टर शैक्षिक सत्र 2021-22 से ही लागू होगी व्यवस्था

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय शैक्षिक सत्र 2021-22 में बी.एल.एड (बैचलर आफ एलिमेंट्री एजुकेशन) के पाठ्यक्रम में बदलाव लाने जा रहा है। चार वर्षीय बी.एल.एड में सेमेस्टर प्रणाली लागू होगी। इसमें आठ सेमेस्टर होंगे। यह उन छात्रों के लिए अहम पाठ्यक्रम है, जो एलिमेंट्री एजुकेशन यानी कक्षा आठ तक की शिक्षा में अपना योगदान शिक्षक के रूप में देना चाहते हैं।

विवि के शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अध्यापक प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि नई शिक्षा नीति के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए एलिमेंट्री एजुकेशन में शिक्षकों को आधुनिकतम तकनीक और शिक्षा के कौशल में विकास के लिए पाठ्यक्रम में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव लाए जा रहे हैं। इसी क्रम में वर्ष की जगह सेमेस्टर में विभाजित होने से पाठ्यक्रम में पढ़ रहे छात्र नए कौशल पर ज्यादा ध्यान दे पाएंगे और इंटर्नशिप आदि के जरिए इसका करियर में इस्तेमाल कर पाएंगे। बी.एल.एड में अंतः विभागीय, अंतर विभागीय, कोर और वैल्यू एडेड कोर्स भी शामिल होंगे, जिससे इसके छात्रों को वैश्विक पटल के लिए तैयार किया जा सकेगा।

### लविवि एशिया के 401 शीर्ष विश्वविद्यालयों में शामिल

लखनऊ विश्वविद्यालय को बुधवार को एक और सम्मान मिला। दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित टाइम्स हायर एजुकेशन द्वारा जारी रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय को एशिया में शीर्ष 401 विश्वविद्यालयों में स्थान दिया गया है। इस रैंकिंग में देश के कुल 63 विश्वविद्यालयों और संस्थानों को जगह मिली है। रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश के एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय होने के कारण राज्य विश्वविद्यालयों के बीच

अपनी स्थिति को और मजबूत किया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों को बधाई दी है।

### योग दिवस के आयोजन शुरू

लविवि के फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर आयोजन शुरू कर दिए गए हैं। आयोजन 21 जून तक चलेगा। प्रभारी प्रो. नवीन खरे ने बताया कि योग के अभ्यास से लोगों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो रहा है। इसी के चलते आयोजन हो रहा है। समन्वयक डा.अमरजीत यादव ने बताया कि प्रतिदिन सुबह सात से आठ बजे तक कामन योग प्रोटोकाल का फैकल्टी के फेसबुक पेज पर सजीव प्रसारण हो रहा है।

### आइटीआइ की प्रवेश प्रक्रिया पर कोरोना का असर

कोरोना का असर आइटीआइ प्रवेश पर भी पड़ा है। जून के प्रथम सप्ताह से शुरू होने वाली प्रवेश प्रक्रिया अब हाईस्कूल में प्रमोट किए गए विद्यार्थियों के परिणाम के बाद शुरू होगी। हाईस्कूल की मेरिट के आधार पर आइटीआइ में प्रवेश होता है। अंकपत्र में प्रमोट लिखा होगा तो मेरिट कैसे बनेगी? इसे लेकर भी मंथन चल रहा है। प्रदेश की 305 सरकारी आइटीआइ में 1,20575 छात्रों का प्रवेश हर साल होता है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

### लविवि एशिया के शीर्ष 401 विवि में

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक और उपलब्धि अपने नाम करते हुए टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग में एशिया के शीर्ष 401 विश्वविद्यालयों में शामिल होने में सफलता हासिल की है। इस रैंकिंग में भारत के कुल 63 विश्वविद्यालयों और संस्थानों को जगह मिली है, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रदेश के एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय होने का गौरव प्राप्त किया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर विवि के सभी स्टाफ को बधाई दी है।

### लविवि : नए सत्र से बीएलएड की पढ़ाई भी सेमेस्टर प्रणाली से

**लखनऊ।** नए शैक्षिक सत्र 2021-22 से लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएलएड की पढ़ाई अब सेमेस्टर प्रणाली से होगी। शिक्षा शास्त्र विभाग में चल रहे चार वर्षीय पाठ्यक्रम को अब आठ सेमेस्टर में परिवर्तित किया जाएगा। कक्षा आठ तक के बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों के लिए एलिमेंट्री एजुकेशन का यह पाठ्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। यह विश्वविद्यालय के सबसे सफल पाठ्यक्रमों में शुमार है। शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अध्यापक प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशानुसार नई शिक्षा नीति के अनुसार पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण बदलाव किया जा रहा है। सेमेस्टर प्रणाली लागू होने से पाठ्यक्रम के छात्र नए स्किल्स से रूबरू होंगे। इंटर्नशिप के जरिए अपनी क्षमताओं को असल जिंदगी में इस्तेमाल कर पाएंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

# एलयू के बीएलएड विभाग में होगी अब सेमेस्टर प्रणाली से पढ़ाई

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय पिछले डेढ़ वर्ष से अपने विभिन्न पाठ्यक्रम में छात्र.हित को ध्यान में रखते हुए एवं नई शिक्षा नीति के दिशा-निदेर्शों का पालन करने के लिए परिवर्तन ला रहा है।2021 और 2022 के शिक्षण.सत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय एक अति महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम में बदलाव कर रहा है।कुलपति

प्रो आलोक कुमार राय के निदेर्शानुसार शिक्षा शास्त्र विभाग में चल रहे चार वर्षीय बीएलएड प्रोग्राम को अब आठ सेमेस्टर में परिवर्तित किया जा रहा है। बीएलएड प्रोग्राम देश भर से आए हुए उन छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम है जो एलिमेंट्री एजुकेशन यानी कक्षा आठवीं तक की शिक्षा में अपना योगदान शिक्षक के रूप में देना चाहते हैं।

यह प्रोग्राम विश्वविद्यालय के सबसे सफल पाठ्यक्रमों में से एक है। शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अध्यापक प्रोफेसर दिनेश कुमार ने बताया कि नई शिक्षा नीति के दिशा.निदेर्शों को ध्यान में रखते हुए और प्रदेश के एलिमेंट्री एजुकेशन में नए शिक्षकों को आधुनिकतम प्रोफेशनल स्किल्स और टीचिंग स्किल्स से समृद्ध करने के लिए पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण बदलाव किए जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि वर्ष की जगह समेस्टर में विभाजित होने से पाठ्यक्रम में पढ़ रहे छात्र नई स्किल्स पर ज्यादा ध्यान दे पाएंगे, उन्हें इंटर्नशिप के जरिए असल जिंदगी में इस्तेमाल कर पाएंगे एवं अपने आप को एक वैश्विक पाठ्यक्रम में पढ़कर न केवल प्रदेश के एलिमेंट्री विद्यालयों के लिए बल्कि देशभर के लिए तैयार कर पाएंगे। विश्वविद्यालय की सीबीसीएस पाठ्यक्रम के अनुसार नए बीएलएड के पाठ्यक्रम में विभागीय, अंतर विभागीयए कोर और वैल्यू एडेड कोर्स भी शामिल होंगे जिससे बीएलएड के छात्रों को एक वैश्विक पटल के लिए तैयार किया जा सकेगा।

### लखनऊ विश्वविद्यालय को मिला एक और सम्मान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक और सम्मान प्राप्त किया। बुधवार को एशिया के विश्वविद्यालयों की रैंकिंग को दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग द्वारा जारी किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय को पूरे एशिया में शीर्ष 401 विश्वविद्यालयों में स्थान दिया गया है। इस रैंकिंग में भारत के कुल 63 विश्वविद्यालयों और संस्थानों को जगह मिली है। रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश के एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय होने के कारण राज्य विश्वविद्यालयों के बीच अपनी स्थिति को और मजबूत किया है। लखनऊ विश्वविद्यालय पिछले एक वर्ष से अधिक समय से औपचारिक वैश्विक रैंक प्राप्त करने की दिशा में स्पष्ट प्रगतिशील कदम उठा रहा है। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को बधाई दी।